Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

अप्रैल 2023 (संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

- रांची का बिरसा मुंडा एयरपोर्ट ग्राहक संतुष्टि मामले में देश में दूसरे नंबर पर 3
- देवघर में खुला संथाल परगना का पहला CNG स्टेशन 3
- आंजनधाम सहित चार स्थलों के विकास के लिये 6.50 करोड़ रुपए का प्रस्ताव 4
- जोन्हा की दीप्ति ने नेशनल आर्चरी रैंकिंग में जीता स्वर्ण पदक 5
- झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का चेन्नई में निधन 5
- कवयित्री मीनू मीना को दिया गया अंगभूमि महिला गौरव सम्मान 5
- पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) का उत्सर्जन रामगढ़ में सबसे अधिक 6
- मुख्यमंत्री ने किया सिदोकोफ्ड का शुभारंभ 6
- 'नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा'के तहत झारखंड की पाँच नदियों का होगा विकास 7
- ग्राम पंचायत कपिलो को मिला राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2023 7
- लाह की खेती को मिला कृषि का दर्जा 7
- राज्यपाल ने आरक्षण बढ़ाने की मांग वाले विधेयक को वापस लौटाया 8
- झारखंड में सूख गए चार हज़ार से अधिक जलाशय 8
- जामताड़ा की सभी पंचायतों में लगेगा वर्षा मापी यंत्र 9
- बीट पुलिसिंग में झारखंड का पहला ज़िला बना गुमला 10
- झारखंड हाईकोर्ट की शान बढ़ाएगी श्याम विश्वकर्मा की टेराकोटा पेंटिंग्स 10
- प्रधानमंत्री की 'मन की बात' में शामिल होगा गुमला का नवरत्नगढ़ 11
- युवा कवयित्री डॉ. पार्वती तिर्की को मिला 'प्रलेक नवलेखन सम्मान' 13
- राँची में 28 अप्रैल से शुरू होगा इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर 13
- दुमका में मयूराक्षी नदी पर झारखंड का सबसे लंबा पुल बनकर तैयार 14
- राज्य के कर्मचारियों का डीए बढ़ाकर 42 फीसदी करने का फैसला 15

नोट :

झारखंड

रांची का बिरसा मुंडा एयरपोर्ट ग्राहक संतुष्टि मामले में देश में दूसरे नंबर पर

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा एक निजी एजेंसी के माध्यम से अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच घरेलू उड़ानों वाले एयरपोर्ट पर कराये गए ग्राहक संतुष्टि सर्वे में झारखंड के राँची का बिरसा मुंडा एयरपोर्ट देश भर में दूसरे नंबर पर रहा जबकि पहले स्थान पर उदयपुर एयरपोर्ट रहा।

प्रमुख बिंदु:

- राँची एयरपोर्ट के निदेशक के.एल अग्रवाल को यह पुरस्कार नयी दिल्ली में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दिया गया।
- इस संबंध में राँची एयरपोर्ट के निदेशक के.एल अग्रवाल ने बताया कि देश भर के 52 एयरपोर्ट में ग्राहक संतुष्टि सर्वे किया गया था। इसमें एयरपोर्ट पर उपलब्ध जनसुविधा और उनकी कार्यप्रणाली का अवलोकन करने के बाद ग्रेडिंग दी जाती है।
- इस ग्रेडिंग में 50 से अधिक मानक तय किये गए थे, जिसमें एयरपोर्ट स्टाफ के व्यवहार, सफाई, शॉपिंग की सुविधा, पार्किंग की सुविधा, रेस्टोरेंट में पैसे के एवज में मिलने वाली सुविधाएँ तथा ग्राउंड पर मिलनेवाली स्टाफ की सुविधाएँ शामिल हैं।

देवघर में खुला संथाल परगना का पहला CNG स्टेशन

चर्चा में क्यों ?

1 अप्रैल, 2023 को झारखंड के गोड्डा के सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने देवघर-सारवां रोड स्थित कुंडा में संथाल परगना का पहला प्राकृतिक गैस आधारित सीएनजी स्टेशन का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु:

- सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने बताया कि सीएनजी भविष्य का ईंधन है और पूरी दुनिया में पर्यावरण बचाने का माहौल है। इसलिये पर्यावरण को बचाने के लिये यह सीएनजी कारगर होगा।
- महानगरों की तर्ज पर छोटे शहरों में प्राकृतिक गैस की सुविधा लोगों को देने की वजह से ही पहला सीएनजी स्टेशन देवघर में खुला है। जल्द ही एचपीसीएल संथाल परगना के सभी शहरों में पाइप से घर-घर गैस की आपूर्ति करेगी। अगले दो वर्षों तक इस प्रमंडल के सभी पेट्रोल पंपों में सीएनजी स्टेशन भी खुलेंगे।
- विदित है कि देवघर में लीथियम का बड़ा भंडार होने की घोषणा अगले छह माह से एक वर्ष के अंदर भारत सरकार कर सकती है। लीथियम का भंडार जम्मू-कश्मीर में मिल चुका है। दूसरे देशों पर पेट्रोलियम पदार्थों के लिये निर्भरता भारत सरकार अब खत्म करने की दिशा में है।
- पाइप से घर-घर गैस की आपूर्ति होने से सिलिंडर पर निर्भरता व गैस की चोरी की समस्या खत्म होगी। 2024 से पहले पाइप से घर-घर गैस की सुविधा गृहिणियों को मिलेगी। सासंद ने कहा कि अधिक से अधिक लोग अपने वाहन में सीएनजी कीट लगवाए, ताकि उनके परिचालन पर खर्च कम हो सके।

नोट :

आंजनधाम सहित चार स्थलों के विकास के लिये 6.50 करोड़ रुपए का प्रस्ताव

चर्चा में क्यों ?

2 अप्रैल, 2023 झारखंड के गुमला ज़िले के उपायुक्त सुशांत गौरव ने बताया कि ज़िला प्रशासन द्वारा गुमला ज़िले के चार प्राचीन धार्मिक स्थलों टांगीनाथ धाम, आंजनधाम तथा पर्यटन स्थलों-गोबरसिल्ली एवं नवरत्नगढ़ के समुचित विकास के लिये 6.50 करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेजा गया है।

प्रमुख बिंदु:

- विदित है कि पूर्व के समय में गुमला ज़िले के प्राचीन धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर प्रशासनिक स्तर पर सरकारी फंड से योजना बनाकर काम किया गया है, लेकिन अब ज़िला प्रशासन धार्मिक एवं पर्यटनों स्थलों के विकास के लिये फोकस करते हुए विकास का खाका तैयार कर काम कर रहा है। इस निमित ज़िला प्रशासन द्वारा गुमला ज़िले के चार प्राचीन धार्मिक स्थलों एवं पर्यटन स्थलों के समुचित विकास का खाका तैयार किया गया।
- धार्मिक स्थल डुमरी प्रखंड का टांगीनाथ धाम, सदर प्रखंड के आंजनधाम तथा पर्यटन स्थल पालकोट का गोबरसिल्ली व सिसई प्रखंड के नवरत्न गढ़ के विकास के लिये योजना बनाकर इन स्थलों के सुंदरीकरण किया जाएगा।
- नवरत्नगढ़ - यह सिसई प्रखंड में है तथा गुमला से 32 व राँची से 65 किमी. दूर है। यह नागवंशी राजाओं की धरोहर है। राजा दुर्जन शाह ने नवरत्नगढ़ की स्थापना की थी।
- गोबरसिल्ली - पालकोट गुमला से 25, राँची से 100 व सिमडेगा ज़िला से 55 किमी. दूर है। यह प्रकृति की अदभुत बनावट है, इसे कुछ लोग झूलता पहाड़ भी कहते हैं। इस पहाड़ को देखने दूर-दूर से लोग आते हैं। यह संतुलन का अदभुत नज़ारा है।
- आंजनधाम - आंजनधाम गुमला से 21 किमी. दूर है। गाँव से मुख्य मंदिर तक जाने के लिये भी सड़क बन गई है। कहा जाता है कि आंजन गाँव के घने जंगल व पहाड़ की चोटी पर माता अंजनी के गर्भ से बालक हनुमान का जन्म हुआ था।
- टांगीनाथ धाम - यह डुमरी प्रखंड से 10 किमी., गुमला शहर से 75 किमी. व राँची से 175 किमी. दूर है। यह सातवीं व नौवीं शताब्दी का बना हुआ बताया जाता है। यह एक धार्मिक स्थल है, यहाँ एक त्रिशूल है, जो जमीन पर गड़ा है, जिस पर जंग नहीं लगता है।

नोट :

जोन्हा की दीप्ति ने नेशनल आर्चरी रैंकिंग में जीता स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

4 अप्रैल, 2023 को झारखंड के राँची ज़िले के जोन्हा की तीरंदाज दीप्ति कुमारी ने हरियाणा के सोनीपत में चल रहे 'नेशनल रैंकिंग आर्चरी' में झारखंड की ही तीरंदाज अंकिता भगत को सीनियर वर्ग के फाइनल में हराकर स्वर्ण पदक जीता।

प्रमुख बिंदु:

- भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से दीप्ति कुमारी को पाँच लाख रुपए का चेक पुरस्कार के रूप में दिया गया है। इसके साथ ही रिकर्व में दीप्ति देश की नंबर-1 तीरंदाज बन गई।
- दीप्ति कुमारी राँची रेल डिवीजन में कार्यरत है, वह जोन्हा आर्चरी सेंटर में कोच रोहित कोईरी की प्रशिक्षु रह चुकी हैं।
- उल्लेखनीय है कि नेशनल रैंकिंग आर्चरी में झारखंड से आठ तीरंदाजों ने क्वालिफाई किया था, जिसमें मधुमिता, अनीता, बबीता, दीप्ति, भावना, कोमोलिका, अंकिता भगत व रीता सवैया शामिल हैं।

झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का चेन्नई में निधन

चर्चा में क्यों ?

6 अप्रैल, 2023 को झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का चेन्नई में निधन हो गया, वे डुमरी विधानसभा से विधायक थे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट करते हुए ये जानकारी साझा की है।

प्रमुख बिंदु:

- गौरतलब है कि जगरनाथ महतो पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। 14 मार्च को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई थी, जिस कारण उन्हें राँची के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें एयरलिफ्ट करके चेन्नई के एमजीएम अस्पताल ले जाया गया जहाँ 6 अप्रैल को इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।
- दो साल पहले कोरोना महामारी से संक्रमित होने के बाद उनके फेफड़ों में संक्रमण हो गया था। इस दौरान चेन्नई एमजीएम में ही उनके लंग्स का ट्रांसप्लानटेशन हुआ था और अब फॉलो अप के लिये उन्हें वहीं भेजा गया था। इससे पहले अक्टूबर, 2018 में उन्हें हार्ट अटैक आया था।
- जगरनाथ महतो गिरिडीह ज़िले के डुमरी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे, उनकी गिनती झारखंड मुक्ति मोर्चा के कद्दावर नेताओं में होती थी। वह डुमरी विधानसभा से निर्वाचित काफी लोकप्रिय विधायक थे। क्षेत्र में वह 'टाइगर' के नाम से जाने जाते थे।
- उनके पास उत्पाद विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार था। शिक्षा मंत्री के रूप में 65 हज़ार पारा शिक्षकों के स्थायीकरण के लिये सेवाशर्त नियमावली लागू करना इनकी बड़ी उपलब्धि मानी जा रही थी।

कवयित्री मीनू मीना को दिया गया अंगभूमि महिला गौरव सम्मान

चर्चा में क्यों ?

9 अप्रैल, 2023 को झारखंड के राँची की कवयित्री मीनू मीना सिन्हा को जीवन जागृति सोसाइटी के द्वारा भागलपुर, बिहार में आयोजित समारोह में विशिष्ट महिला साहित्यकार व शिक्षण में योगदान के लिये अंगभूमि महिला गौरव सम्मान-2023 से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- मीनू मीना को यह सम्मान प्रतिकूल परिस्थितियों में परिवार की देखभाल के साथ समाज की महिलाओं की प्रेरणास्रोत बनने के लिये प्रदान किया गया।
- राँची के मोरहाबादी की निवासी मीनू मीना सिन्हा दशकों से लेखन के क्षेत्र से जुड़ी हैं।
- उन्होंने ब्रिटिश लाइब्रेरी तथा केंद्रियन पब्लिक स्कूल में 2.2 वर्षों तक पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर अपनी सेवा दी है।

नोट :

- मीनू मीना के तीन काव्य संग्रह जीवनधारा (2018), बिटिया (2021), अनुभव के दरख्त (2023) प्रकाशित हुए हैं, जबकि दो अन्य पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं।

पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) का उत्सर्जन रामगढ़ में सबसे अधिक

चर्चा में क्यों ?

10 अप्रैल, 2023 को झारखंड प्रदूषण बोर्ड के वैज्ञानिक संजय श्रीवास्तव ने बताया कि झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी), सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) और सेंटर फॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी (सी-स्टेप) ने झारखंड के छह शहरों की वायु प्रदूषण स्थिति से संबंधित एमिशन इन्वेंट्री रिपोर्ट (प्रदूषण उत्सर्जन सूची) जारी की, जिसमें पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) का उत्सर्जन राज्य के रामगढ़ शहर में सबसे अधिक पाया गया।

प्रमुख बिंदु:

- उल्लेखनीय है कि एमिशन इन्वेंट्री रिपोर्ट में राज्य के रामगढ़, हजारीबाग, साहिबगंज, दुमका, पाकुड़ और चाईबासा शहर में प्रदूषण फैलाने वाले स्रोत एवं कारकों की जानकारी दी गई है।
- इस रिपोर्ट के अनुसार वायु प्रदूषण कम करने को प्राथमिकता रामगढ़ के बाद हजारीबाग, पाकुड़, साहिबगंज, चाईबासा और दुमका का स्थान आता है। हालाँकि रामगढ़ की आबादी साहिबगंज और हजारीबाग की तुलना में कम है, लेकिन शहर के अंदर और आसपास बड़ी संख्या में भारी उद्योग होने के कारण पीएम ज्यादा पाया गया।
- दुमका, चाईबासा और हजारीबाग में पीएम 2.5 एमिशन के लिये परिवहन मुख्य रूप से जिम्मेवार है। साहिबगंज और पाकुड़ में पीएम 2.5 एमिशन का कारण घरेलू क्षेत्र रहा।
- रिपोर्ट में वायु प्रदूषण के लिये घरेलू, व्यावसायिक, इंडस्ट्री, निर्माण गतिविधियों, खुले में जलावन और सड़क की धूल आदि विभिन्न कारकों एवं क्षेत्रों का अध्ययन किया गया है।
- विदित है कि नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के अनुसार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तीन शहरों (राँची, जमशेदपुर और धनबाद) के लिये क्लीन एयर एक्शन प्लान तैयार किया गया है और इन्हें लागू किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने किया सिदोकोफ्ड का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिदो-कान्हू जयंती समारोह पर सिदो कान्हू कृषि एवं वन उत्पाद संघ (सिदोकोफ्ड) का विधिवत शुभारंभ किया। यह अभियान 10-12 मई तक चलेगा।

प्रमुख बिंदु:

- सिदो कान्हू कृषि एवं वन उत्पाद संघ (सिदोकोफ्ड) के तहत पैक्स-लैम्पस के लिये नए सदस्य बनाए जाएंगे। खेतीबाड़ी करने वाले लोग भी इसका सदस्य बन सकते हैं।
- इस समय पैक्स-लैम्पस में 14 लाख सदस्य हैं। अगले एक महीने में अभियान चलाकर इसकी संख्या 28 लाख करने का लक्ष्य है।
- निबंधन सहयोग समिति के अध्यक्ष मृत्युंजय वर्णवाल ने कहा कि राज्य में पैक्स व लैम्पस को मजबूत करने का काम चल रहा है। 2022 में सदस्यों की संख्या 10 से बढ़ाकर अब 14 लाख किया गया है। 511 प्रज्ञा केंद्र से लैम्पस व पैक्स को जोड़ा गया है। 2 हज़ार पैक्स लैम्पस को कंप्यूटरीकृत किया जा रहा हैं।
- राज्य के प्रत्येक जिले में एक पीडीएस शॉप लैम्पस व पैक्स को दिया जाएगा। लैम्पस-पैक्स के सभी आँकड़े डिजिटल होंगे ताकि गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे।

नोट :

'नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा'के तहत झारखंड की पाँच नदियों का होगा विकास

चर्चा में क्यों ?

16 अप्रैल, 2023 को मीडिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार के 'नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा'कार्यक्रम के तहत देश भर की 109 नदियों को विकसित किया जाएगा। इसमें झारखंड के पाँच ज़िलों की नदियों को भी शामिल किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु:

- योजना के क्रियान्वयन के लिये केंद्र ने झारखंड सरकार को पत्र लिखकर यहाँ के पाँच ज़िलों में स्थित नदियों का मैनेजमेंट प्लान मांगा है। चयनित पाँचों नदियाँ शहरी क्षेत्र में स्थित होनी चाहिये।
- केंद्र सरकार ने झारखंड के पाँच शहरों का चयन पहले चरण में किया है। इसमें आदित्यपुर, राँची, मेदिनीनगर, गिरिडीह और धनबाद में स्थित नदियों का मैनेजमेंट प्लान तैयार किया जाएगा।
- इन नदियों के विकास के लिये केंद्र सरकार आर्थिक मदद मुहैया कराएगी।
- उक्त योजना का उद्देश्य शहर की नदियों को संरक्षित करना है। इससे पर्यावरण का संरक्षण होगा। सामाजिक व आर्थिक गतिविधियाँ भी बढ़ेंगी। झारखंड सरकार की ओर से नदियों की सूची उपलब्ध कराए जाने के बाद उनके विकास की योजना तैयार की जाएगी।
- यह प्लान नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अरबन अफेयर्स (एनआईयूए) मिलकर तैयार करेंगे।

ग्राम पंचायत कपिलो को मिला राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2023

चर्चा में क्यों ?

17 अप्रैल, 2023 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में पंचायतों को प्रोत्साहन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड की ग्राम पंचायत कपिलो को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2023 प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु:

- गिरिडीह ज़िले के बिरनी प्रखंड की ग्राम पंचायत कपिलो को सभी 9 एलएसडीजी विषयों और हरित पहल से संबंधित विशेष श्रेणियों के तहत समग्र प्रदर्शन के लिये नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत् विकास पुरस्कार (एनडीएसपीएसवीपी) प्रदान किया गया।
- विदित है कि इससे पूर्व भी बिरनी प्रखंड की कपिलो पंचायत को उत्कृष्ट कार्यों के लिये नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार 2021 से पुरस्कृत किया गया था।
- निम्नलिखित विभिन्न श्रेणियों में चुनी गईं पंचायतों को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्रदान किये गए-
  - व्यक्तिगत एलएसडीजी विषय वस्तुओं के तहत प्रदर्शन के लिये दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सतत् विकास पुरस्कार (डीडीयूपीएसपी)
  - सभी 9 एलएसडीजी विषयों और हरित पहल से संबंधित विशेष श्रेणियों के तहत समग्र प्रदर्शन के लिये नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत् विकास पुरस्कार (एनडीएसपीएसवीपी)
  - ग्राम ऊर्जा स्वराज विशेष पंचायत पुरस्कार
  - कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार।

लाह की खेती को मिला कृषि का दर्जा

चर्चा में क्यों ?

17 अप्रैल, 2023 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में राज्य में लाह की खेती को कृषि का दर्जा देने पर सहमति दी गई।

नोट :

प्रमुख बिंदु:

- कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने बताया कि लाह को कृषि का दर्जा मिलने से खूंटी, गुमला, सिंहभूम, लातेहार, गढ़वा, हज़ारीबाग ज़िला समेत राज्य के 12 ज़िलों के करीब पाँच लाख किसान परिवार को लाभ मिलेगा।
- गौरतलब है कि लाह का उत्पादन करने में झारखंड राज्य देश में पहले स्थान पर है। झारखंड में लाह की खेती सबसे अधिक की जाती है क्योंकि यहाँ के किसानों के पास लाह की खेती करने के लिये पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं जो उन्हें इस खेती को करने में बेहद मदद करते हैं। इसके अलावा झारखंड का मौसम भी लाह की खेती करने के लिये उत्तम होता है।
- आँकड़ों के अनुसार झारखंड राज्य में प्रति वर्ष 15-16 हज़ार टन लाह का उत्पादन किया जाता है। यहाँ के अधिकतर लोगों की यह खेती जीवन जीने का एक बेहतरीन स्त्रोत है। लाह की खेती से जुड़े किसानों को कुल आय का 25 फीसदी लाह से ही प्राप्त होता है।
- विदित है कि लाख या लाह एक प्राकृतिक राल है, इसी कारण इसे 'प्रकृति का वरदान' कहते हैं। लाख के कीट अत्यंत सूक्ष्म होते हैं तथा अपने शरीर से लाख उत्पन्न करके हमें आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक भाषा में लाख को 'लेसिफर लाखा'कहा जाता है।

राज्यपाल ने आरक्षण बढ़ाने की मांग वाले विधेयक को वापस लौटाया

चर्चा में क्यों ?

19 अप्रैल, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राज्य में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण बढ़ाने की मांग वाले विधेयक को वापस कर दिया है।

प्रमुख बिंदु:

- विदित है कि यह विधेयक अन्य पिछड़ा वर्ग कोटे को 14% से बढ़ाकर 27%, अनुसूचित जनजाति के कोटे को 26% से बढ़ाकर 28% और अनुसूचित जाति के कोटे को 10% से 12% करने का प्रस्ताव करता है।
- ऐसे में अगर यह बिल पारित होता है तो राज्य में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये 10% आरक्षण को शामिल करने के साथ सरकार की नौकरियों में कुल आरक्षण 77 प्रतिशत हो जाएगा।
- इस मामले में जानकारी देते हुए राज्यपाल कार्यालय के अधिकारी ने कहा कि यह बिल भारत के अटॉर्नी जनरल से कानूनी राय के आधार पर लौटाया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि झारखंड के पिछले राज्यपाल रमेश बैस ने इस बिल को अटॉर्नी जनरल को भेजा था, जिन्होंने कहा है कि बिल में आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को ध्यान में नहीं रखा गया है।

झारखंड में सूख गए चार हज़ार से अधिक जलाशय

चर्चा में क्यों ?

24 अप्रैल, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड में चार हज़ार से अधिक जलाशय सूख गए हैं जबकि 560 जलाशयों का अतिक्रमण हो चुका है।

प्रमुख बिंदु:

- जानकारी के अनुसार देश में पहली बार जलाशयों का सेंसस हुआ है। इसमें सभी राज्यों के जलाशयों की स्थिति की जानकारी दी गई है। रिजर्वायर के मामले में झारखंड का स्थान पूरे देश में दूसरा है। जल संरक्षण के लिये किये गए प्रयास में झारखंड को पाँचवां स्थान मिला है।
- झारखंड में कुल 107598 जलाशय हैं। इनमें 106176 गाँव तथा 1422 शहरी इलाके में हैं। इनमें से 4075 जलाशय सूख गए हैं। वहीं 1689 जलाशयों पर निर्माण कार्य होने से उसका उपयोग नहीं हो पा रहा है।
- रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य के 560 जलाशयों का अतिक्रमण हो चुका है। इसमें 472 तालाब, 37 जल संरक्षण के लिये बनाए गए परकोलेशन टैंक व चेक डैम, 30 टैंक, 12 रिजर्वायर, पाँच झील तथा एक अन्य जलाशय हैं।
- इनमें से 22 जलाशयों में 25 फीसदी से कम कब्जा है, सात पर 25 से 75 फीसदी तक कब्जा है। वहीं एक जलाशय पर 75 फीसदी से अधिक कब्जा है। तालाबों की संख्या के मामले में झारखंड पूरे देश में पाँचवें स्थान पर है।

नोट :

- रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य के 1731 जलाशयों में कचरा भर गया है। 894 जलाशयों को ऐसा नुकसान पहुँचाया गया है, जिसका पुनरुद्धार भी नहीं हो सकता है। 147 जलाशयों का पानी खारा है। औद्योगिक कचरा के कारण 114 जलाशयों का उपयोग नहीं हो पा रहा है। 4416 जलाशय अन्य कारणों से उपयोग के लायक नहीं रह गए हैं।
- झारखंड के कुल जलाशयों में 87878 का निर्माण सरकारी या गैर सरकारी स्तर से कराया गया है। केवल 19% जलाशय ही प्राकृतिक रूप से विकसित हैं।
- यहाँ कुल 87080 तालाब और 4500 टैंक हैं। 135 झील, 3763 रिजर्वायर तथा 12008 जल संरक्षण के लिये बनाए गए परकोलेशन टैंक व चेक डैम हैं। कई तालाब का अतिक्रमण कर लिया गया है।
- राज्य में कई जगह नदियों और तालाबों के इलाके में अतिक्रमण हो रहा है। अतिक्रमण के चलते राजधानी राँची में कई तालाबों का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। कोल्हान क्षेत्र की जीवन रेखा कही जानेवाली सुवर्णरेखा नदी के तट पर भी जमशेदपुर में लगातार अतिक्रमण हो रहा है। इसके चलते यह विशाल नदी, जमशेदपुर में नाले में तब्दील होती जा रही है।
- झारखंड के 72 फीसदी जलाशयों का उपयोग सिंचाई के लिये होता है। जारी रिपोर्ट के मुताबिक, औद्योगिक काम में मात्र 1077 जलाशय ही आते हैं, मत्स्य पालन के लिये 12721 जलाशयों का उपयोग हो रहा है, चार हज़ार जलाशयों का उपयोग घरेलू काम में होता है, 395 जलाशयों का उपयोग मनोरंजन के लिये हो रहा है। ग्राउंड वाटर रिचार्ज के लिये 5036 जलाशयों का उपयोग हो रहा है।
- रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य के आधे से अधिक जलाशयों (करीब 55.5 फीसदी) में पूरे साल पानी रहता है। इसके अतिरिक्त 13.1 फीसदी जलाशयों में हर साल पानी भरता है। 28 फीसदी से अधिक जलाशयों में कभी-कभी पानी आता है। तीन फीसदी जलाशय ऐसे हैं, जहाँ पानी बहुत ही कम रहता है।

जामताड़ा की सभी पंचायतों में लगेगा वर्षा मापी यंत्र

चर्चा में क्यों ?

- 25 अप्रैल, 2023 को झारखंड के जामताड़ा ज़िले के कृषि पदाधिकारी रंजीत कुमार मंडल ने बताया कि जामताड़ा ज़िले की हर पंचायत में स्वचालित वर्षामापी यंत्र लगाने के लिये कृषि विभाग द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है, जिससे अब मौसम की सटीक जानकारी मिल सकेगी।

प्रमुख बिंदु:

- वर्षामापी यंत्र लगाने के लिये पंचायतों में ज़मीन चिह्नित करने के लिये प्रखंड कृषि पदाधिकारी को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। नारायणपुर के 25 पंचायतों में यह यंत्र लगाया जाएगा।
- पंचायतों में स्वचालित वर्षामापी यंत्र लग जाने से बाढ़, चक्रवाती तूफान आदि की पूर्व जानकारी हासिल करने में सहायता मिलेगी।
- विदित है कि वर्तमान समय में नारायणपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में एक वर्षामापी यंत्र है, जिसकी सहायता से प्रखंड में हुई वर्षा को मापा जाता है।
- जानकारी के अनुसार, प्रत्येक पंचायत में निजी भूमि पर भी यंत्र लगाने का प्रस्ताव है, ताकि यंत्र की देखभाल सही तरीके से हो सके। पंचायत स्तर पर यंत्र लग जाने से खासकर वर्षा की सटीक जानकारी मिल सकेगी।
- ज्ञातव्य है कि अभी प्रखंड स्तर पर ही यंत्र लगाया गया है, जिससे पंचायतों में होने वाले वर्षापात का सटीक पता नहीं लग पाता है।
- स्वचालित वर्षामापी यंत्र लगाने से सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलेगा। सुखाड़ या कम वर्षापात की स्थिति में सरकार को यह जानकारी हासिल करने में परेशानी होती थी कि कहाँ के किसान अधिक प्रभावित हुए हैं। एजेंसी द्वारा आकलन कराने में समय भी अधिक लगता था तथा वह शत-प्रतिशत सही भी नहीं हो पाता था। लेकिन, वर्षामापी यंत्र लग जाने से सुखाड़ वाले पंचायतों की सटीक जानकारी मिल सकेगी तथा उस हिसाब से किसानों को मुआवज़ा दिया जा सकेगा।

नोट :

बीट पुलिसिंग में झारखंड का पहला ज़िला बना गुमला

चर्चा में क्यों ?

25 अप्रैल, 2023 को झारखंड के गुमला ज़िले के पुलिस अधीक्षक डॉ. एहतेशाम वकारीब ने बताया कि गुमला राज्य का पहला ज़िला बना है जहाँ बीट पुलिसिंग के तहत काम हो रहा है, जिसके तहत 250 क्यूआर कोड बेस्ट सिस्टम लगाकर क्षेत्र में निगरानी रखी जा रही है।

प्रमुख बिंदु:

- विदित है कि शुरुआती दौर में ज़िले के शहरी क्षेत्रों में इसका उपयोग किया गया। वर्तमान में ज़िले के सभी पंचायत भवनों में क्यूआर कोड लगाया गया है। जहाँ पर प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी द्वारा शहरी क्षेत्र में दिन में तीन बार तथा ग्रामीण इलाकों में सप्ताह में दो बार बाँटे गए बीट क्षेत्र में पहुँचकर निगरानी रखी जा रही है, जिससे क्षेत्र में अपराध नियंत्रण में है।
- पुलिस अधीक्षक डॉ. एहतेशाम वकारीब ने बताया कि गुमला पुलिस ने नक्सल प्रभावित गाँव के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की है। इसके तहत नक्सल पीड़ित गाँव के 40 युवाओं को पारा मिलिट्री व पुलिस में बहाली में भाग लेने के लिये ट्रेनिंग दी जा रही है। यह ट्रेनिंग पुलिस लाइन चंदाली में चल रही है।
- इसके अलावा अंधविश्वास से जकड़े गुमला ज़िला में एसपी की पहल पर जोहार कॉप के तहत डायन बिसाही पर वार किया जा रहा है। गाँव-गाँव में डायन बिसाही को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।
- जोहार कॉप कार्यक्रम के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा, बाल मजदूर, डायन बिसाही, नशापान, बाल-विवाह, साइबर क्राइम से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।
- गुमला ज़िले के घाघरा, सिसई व चौनपुर थाना में पुस्तकालय का निर्माण होगा, जिसके लिये एसपी ने पहल शुरू कर दी है।
- दोस्ताना पड़ोस पुलिस प्रोजेक्ट के तहत ज़िले के सभी थानों का सुंदरीकरण किया जा रहा है, जिसमें गार्डन का निर्माण, स्वागत कक्ष, आम जनों के बैठने एवं पीने के पानी की व्यवस्था की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत चैनपुर एवं रायडीह थाना में गार्डन का निर्माण किया गया है। यहाँ पर आमजनों की समस्याओं को सुनी जाती है।

झारखंड हाईकोर्ट की शान बढ़ाएगी श्याम विश्वकर्मा की टेराकोटा पेंटिंग्स

चर्चा में क्यों ?

- 25 अप्रैल, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार प्रसिद्ध आर्टिस्ट श्याम विश्वकर्मा की टेराकोटा पेंटिंग्स जल्द ही झारखंड हाईकोर्ट की शान बढ़ाएगी। सरकार से मिले निर्देश के आलोक में श्याम विश्वकर्मा इसके लिये पूरी तैयारी के साथ जोर-शोर से जुटे हुए हैं।

प्रमुख बिंदु:

- विदित है कि श्याम विश्वकर्मा की तकरीबन एक दर्जन से अधिक बड़े साइज की टेराकोटा पेंटिंग राँची में नये विधानसभा के सामने निमार्णाधीन हाईकोर्ट भवन में लगाया जा रहा है। इन पेंटिंग्स के साथ-साथ श्याम विश्वकर्मा द्वारा बनाए गए कानून की देवी प्रतिमा भी हाईकोर्ट को सुशोभित करेगी।
- इसके अलावा रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के राँची ब्रांच को भी श्याम विश्वकर्मा की पेंटिंग से सुशोभित किया जा रहा है। यहाँ भी श्याम विश्वकर्मा के करीब डेढ़ दर्जन टेराकोटा पेंटिंग्स लगेंगे।
- हाईकोर्ट भवन में लगने वाले सारे पेंटिंग्स आदिवासी लोककला सोहराय, जादू पेटिया, झारखंड का पर्यटन स्थल इत्यादि से संबंधित होगा।
- हाल में ही श्याम विश्वकर्मा का संकल्प से सफलता की ओर इंगित टेराकोटा के कई पेंटिंग को कोल इंडिया आसनसोल, पश्चिम बंगाल में लगाया गया है।
- दिसंबर 2022 में भी साहिबगंज के श्याम विश्वकर्मा की लगभग 150 पेंटिंग झारखंड सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में लगाई गई थी।
- झारखंड की खुशहाली और हरियाली का संदेश देने वाले उक्त सभी पेंटिंग के माध्यम से झारखंड की कला और संस्कृति को भी बखूबी दर्शाने का प्रयास किया गया है। झारखंड की विलुप्त हो रही लोककला जादू पेटिया और टेराकोटा पेंटिंग के माध्यम से खुशहाल झारखंड का संदेश दिया गया है।

नोट :

- गौरतलब है कि देशभर में कला और पेंटिंग की दुनिया में साहिबगंज के श्याम विश्वकर्मा का एक जाना-पहचाना नाम है। श्याम विश्वकर्मा की पेंटिंग भारत सरकार के कई मंत्रालयों में सुशोभित है। देश की राजधानी दिल्ली में स्थिति झारखंड भवन को भी श्याम विश्वकर्मा अपनी कला से एक अलग पहचान दे चुके हैं।
- अब श्याम विश्वकर्मा की कृति केवल साहिबगंज या झारखंड तक सीमित नहीं है। देश के अलावा अमेरिका, कनाडा और डेनमार्क जैसे देशों में इनकी कृति और यश पहुँच चुकी है। श्याम विश्वकर्मा की तकरीबन डेढ़ दर्जन पेंटिंग्स अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थापित एक म्यूजियम की शान बढ़ा रहा है।
- उल्लेखनीय है कि श्याम विश्वकर्मा ने पहली वर्ष 2006 में दिल्ली में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय व्यापार मेला में लगी कला प्रदर्शनी से देशभर में अपनी पहचान बनाई। यहाँ टेराकोटा कला पर लगी उनकी एक दर्जन पेंटिंग्स को भारत सरकार ने खरीद लिया था, जो भारत सरकार के कृषि एवं अन्य मंत्रालयों में अब भी सुशोभित है।
- राँची प्रोजेक्ट भवन में लागू झारखंड की सबसे ऊँची प्रतिमा श्याम विश्वकर्मा द्वारा ही तैयार की गई है। टेराकोटा पेंटिंग के उत्थान के लिये वे झारखंड सरकार से पुरस्कृत भी हुए हैं। वर्ष 2018 में हुए अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भी श्याम विश्वकर्मा देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री की 'मन की बात' में शामिल होगा गुमला का नवरत्नगढ़

चर्चा में क्यों ?

26 अप्रैल, 2023 को पुरातत्त्व विभाग, राँची से मिली जानकारी के अनुसार 30 अप्रैल, 2023 को 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुमला के वर्ल्ड हैरिटेज में शामिल नागवंशी राजा दुर्जनशाल की राजधानी नवरत्नगढ़ का जिक्र करेंगे।

प्रमुख बिंदु:

- विदित है कि मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के लिये देश के 12 लोकेशन का चयन किया है, जिसमें गुमला ज़िला का नवरत्नगढ़ भी शामिल है।
- 30 अप्रैल को 'मन की बात' का 100वाँ एपिसोड है। 'मन की बात' से पहले देश के सभी 12 ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों पर 29 अप्रैल को रंगारंग कार्यक्रम होगा। साथ ही सभी ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों का वीडियो रिकॉर्डिंग कर पीएमओ को भेजा जाएगा, ताकि 30 अप्रैल को होने वाली 'मन की बात' में प्रधानमंत्री इन ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों की विशेषताओं का जिक्र कर सकें।

नोट :

- गुमला के नवरत्नगढ़ में 29 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस दिन आम पब्लिक के लिये नवरत्नगढ़ का दरवाजा खुला रहेगा, ताकि लोग यहाँ आकर नवरत्नगढ़ की सुंदरता को देख सकेंगे और 'मन की बात' के 100वें एपिसोड के गवाह भी बनेंगे।
- गौरतलब है कि नवरत्नगढ़, जिसे डोइसागढ़ भी कहते हैं, एक विश्व धरोहर है। यह राँची और गुमला मार्ग पर स्थित सिसई प्रखंड के नगर गाँव में हैं। यहाँ मुगल साम्राज्य व नागवंशी राजाओं का इतिहास छिपा है। यह छोटानागपुर के नागवंशी राजाओं की ऐतिहासिक धरोहर है।
- इतिहास के अनुसार मुगल साम्राज्य से बचने के लिये राजा दुर्जनशाल ने इसे बनवाया था। नवरत्नगढ़ के चारों तरफ खाई थी और यहाँ घुसने का एकमात्र पहाड़ी रास्ता हुआ करता था। इसलिये सुरक्षा के दृष्टिकोण से राजा दुर्जनशाल ने नवरत्नगढ़ को अपनी राजधानी बनाया था।
- खुदाई से मिले हैं, खुफिया भवन पुरातत्त्व विभाग ने एक साल पहले नवरत्नगढ़ की खुदाई की है। यहाँ ज़मीन के अंदर कई खुफिया भवन व महल मिले हैं, जिसे देखने दूर-दूर से लोग पहुँच रहे हैं। वहीं जो पुराने भवन खंडहर हो गए थे, उसे पुरानी तकनीक से ही हल्की मरम्मत की जा रही है ताकि भवनों को गिरने से बचाया जा सके।

नोट :

युवा कवयित्री डॉ. पार्वती तिर्की को मिला 'प्रलेक नवलेखन सम्मान'

चर्चा में क्यों ?

26 अप्रैल, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार प्रलेक न्यास द्वारा वर्ष 2023 का 'प्रलेक नवलेखन सम्मान' सर्वसम्मति से युवा कवयित्री डॉ. पार्वती तिर्की को दिये जाने की घोषणा की गई है।

प्रमुख बिंदु:

- जानकारी के अनुसार प्रलेक नवलेखन सम्मान पार्वती तिर्की के प्रथम काव्य संग्रह 'फिर उगाना' के लिये दिया जा रहा है।
- पार्वती तिर्की ने सम्मान मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह उनके जीवन का पहला सम्मान है। उनका पहला काव्य संग्रह आदिवासी जीवन, संस्कृति, लोककथाओं और लोक जीवन से जुड़ा है।
- सम्मान दिये जाने की सूचना के साथ ही न्यास की ओर से यह भी कहा गया है कि पार्वती तिर्की की कविताएँ समाज का यथार्थ तो बताती ही हैं साथ-ही-साथ भविष्य की संभावनाओं को भी दर्शाती हैं।
- 29 साल की डॉ. पार्वती तिर्की मूलत: झारखंड के गुमला ज़िले की रहने वाली हैं। वे वर्तमान में राँची के राम लखन सिंह यादव कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

राँची में 28 अप्रैल से शुरू होगा इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर

चर्चा में क्यों ?

26 अप्रैल, 2023 को झारखंड चेंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने चेंबर भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि झारखंड चेंबर और जीएस मार्केटिंग एसोसिएट्स के संयुक्त तत्त्वावधान में मोरहाबादी मैदान में 11 दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर 28 अप्रैल से शुरू होगा।

नोट :

प्रमुख बिंदु:

- 11 दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का उद्घाटन राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन करेंगे। इस मेगा ट्रेड फेयर का समापन 8 मई को होगा।
- विदित है कि झारखंड चेंबर और वर्ल्ड डिजाइनिंग फोरम के संयुक्त तत्त्वावधान में पाँच दिवसीय ऑनलाइन सर्टिफिकेट स्किल अपग्रेडिंग प्रोग्राम की शुरुआत चेंबर भवन में हुई।
- चेंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि झारखंड चेंबर की ओर से सभी प्रतिभागियों को मोरहाबादी मैदान में लगाए जा रहे मेगा ट्रेड फेयर में एप्रिसिएशन सर्टिफिकेट 30 अप्रैल को प्रदान किया जाएगा।
- यह वर्कशॉप फैशन डिजाइनर, लघु एवं मध्यम वस्त्र उद्योग एवं बुटिक उद्योग से जुड़े उद्यमियों के लिये उपयोगी है। यह वर्कशॉप पूरे देश में चलाया जा रहा है।
- झारखंड चेंबर के पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा ने कहा कि इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में ज़रूरत के हर सामान मिलेंगे। प्रत्येक 3,000 रुपए की खरीदारी पर निश्चित उपहार मिलेगा।

दुमका में मयूराक्षी नदी पर झारखंड का सबसे लंबा पुल बनकर तैयार

चर्चा में क्यों ?

26 अप्रैल, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार दुमका में मयूराक्षी नदी पर झारखंड का सबसे लंबा पुल बनकर तैयार हो गया है। 2340 मीटर लंबी इस पुल के निर्माण में 198 करोड़ से अधिक की राशि लगी है।

प्रमुख बिंदु:

- यह पुल दुमका सदर प्रखंड के कुमड़ाबाद को मसलिया के मकरमपुर को जोड़ते हुए सिंगरी-हरको पथ से जोड़ती है।
- इस उच्चस्तरीय पुल के बन जाने से ज़िले की एक बड़ी आबादी दुमका शहर के 14-15 किलोमीटर नजदीक आ गई है। पुल बनने से पहले मकरमपुर से दुमका ज़िला मुख्यालय की दूरी 30 किलोमीटर से भी अधिक थी।
- पहुँच पथ सहित 2.800 किलोमीटर लंबे इस पुल की चौड़ाई 16 मीटर हैं। हालाँकि बीच में सात स्पैन के बीच पुल को 30 मीटर चौड़ा किया गया है, जो सेल्फी प्वाइंट से लेकर पार्किंग जोन भी साबित होगा।
- विदित है कि मकरमपुर सहित कई गाँव ऐसे हैं, जो पहले दुमका शहर से सटे थे। मसानजोर डैम बनने के बाद बीच का इलाका डूब गया, तो मकरमपुर की आधी आबादी डैम के डूबक्षेत्र के उस पार रह गई थी। अब पुल बन जाने से ऐसे मसानजोर विस्थापित को आने-जाने में परेशानी नहीं होगी। कॉलेज आने-जाने में युवाओं को सहुलियत होगी, तो व्यापार-रोजी-रोज़गार भी समृद्ध होगा।

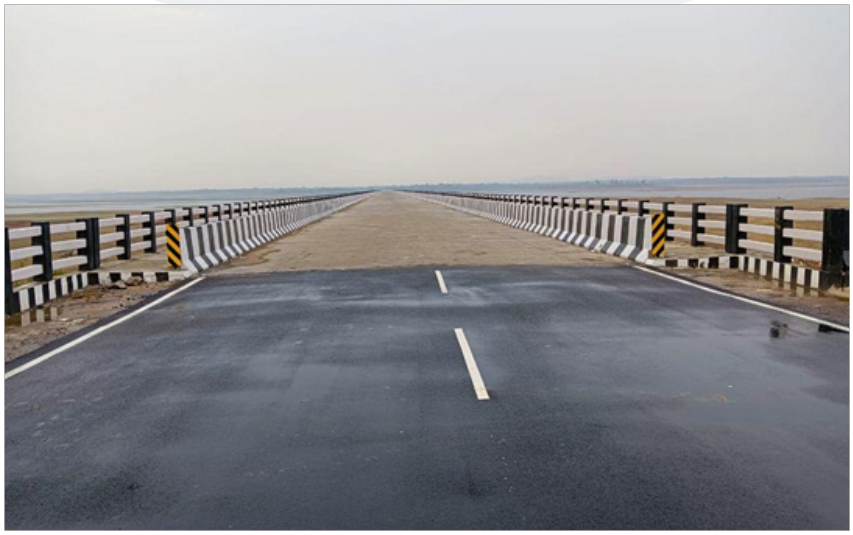

नोट :

राज्य के कर्मचारियों का डीए बढ़ाकर 42 फीसदी करने का फैसला

चर्चा में क्यों ?

27 अप्रैल, 2023 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य के सरकारी कर्मचारियों के महँगाई भत्ते को 34 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का फैसला लिया गया।

प्रमुख बिंदु:

- मंत्रिमंडल समन्वय सचिव वंदना डडेल ने बैठक के बाद बताया कि वृद्धि के कारण सरकारी खजाने पर प्रति वर्ष 441.52 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। कर्मचारियों को महँगाई भत्ते की अतिरिक्त किश्त 1 जनवरी, 2023 से प्रभावी होगा।
- जानकारी के मुताबिक, 1 जनवरी, 2016 से प्रभावी संशोधित वेतनमान (सातवाँ केंद्रीय वेतनमान) में 1 जनवरी, 2023 से महँगाई भत्ते की दरों में वृद्धि को मंजूरी दी गई है।
- राज्य के कर्मचारी जिनका वेतनमान या वेतन संरचना (सातवाँ वेतनमान संशोधन) 18 जनवरी, 2017 को 1 जनवरी, 2016 से संशोधित की गई है, उन्हें 1 जनवरी, 2023 से 42 प्रतिशत महँगाई भत्ते का लाभ मिलने लगेगा। यह वृद्धि स्वीकृत फॉर्मूले के अनुसार है, जो 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित है।
- मंत्रिमंडल ने एक अन्य निर्णय में अनुसूचित जनजाति व जाति प्रमाण-पत्र के मानक पत्र में संशोधन के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी है। अब केंद्र सरकार का विहित प्रपत्र पाँच (फॉर्म-5) झारखंड में भी लागू होगा।
- इसके अलावा मंत्रिमंडल की बैठक में पश्चिम सिंहभूम ज़िले के चक्रधरपुर में अनुमंडल न्यायालय की स्थापना और शहरी स्थानीय निकायों में प्रशासकों की नियुक्ति को भी मंजूरी दी गई।

The Vision

नोट :